Hindi - II

STD - III

Le. 1

मेरा प्यारा देश महान (कविता)

मेरा प्यारा देश महान,
मेरा भारत देश महान ।

यहाँ न कोई ऊँचा - नीचा
देश हमारा एक बगीचा ।
रंग - बिरंगे फूलों जैसे
हम सारे इनसान ।
मेरा प्यारा देश महान ।
मेरा भारत देश महान ॥

वीर शहीदों ने दिलवाई
भारत को आज़ादी ।
बलिदानों की कथा सुनाती
अपनी प्यारी दादी ।
मैं हूँ भारत माँ का लाल,
है मुझको अभिमान ।
मेरा प्यारा देश महान ।
मेरा भारत देश महान ॥

- 'बालमित्र' से साभार

Scanned with CamScanner

पाठ - 2

फ़क़ीर का उपदेश (कहानी)

Q.A

प्र-1 बूढ़ा फ़क़ीर कैसा था?

उत्तर- बूढ़ा फ़क़ीर बड़ा होशियार था। वह गाँव के बाहर ही अपना आसन जमा रखा था।

2. सभी लोग फ़क़ीर के पास क्यों जाते थे?

उत्तर- बूढ़ा फ़क़ीर लोगों को बहुत सी अच्छी - अच्छी बातें बतलाता था। थोड़े ही दिनों में वह मशहूर हो गया। अतः सभी लोग उसके पास कुछ न कुछ पूछने को पहुँचते थे। वह सबको अच्छी - अच्छी सीख देता था।

3. किसकी खेती कभी अच्छी नहीं होती थी?

Page No.:
Date: / /

उत्तर→ रामगुलाम नामक किसान की खेती अच्छी नहीं होती थी। वह अपनी खेत पर बहुत कम जाता था। सारा काम वह अपने नौकरों से करवाता था।

4. फ़क़ीर ने रामगुलाम से दूसरे दिन क्या कहा?

उत्तर फ़क़ीर ने रामगुलाम से दूसरे दिन कहा - "तुम्हारे भाग्य का भेद सिर्फ 'जाओ' और 'आओ' में है। वह किसान 'आओ' कहते है और तुम 'जाओ' कहते हो। इसी से उसके खेतों में खूब पैदावार होती है और तुम्हारे खेतों में कुछ नहीं।"

Page No.:
Date : / /

शब्दार्थ

1. फ़क़ीर → मुसलमान साधु।
2. होशियार → चालाक।
3. मशहूर → प्रसिद्ध।
4. महाजन → ब्याज पर पैसे देने वाला।
5. खुद → स्वयं।
6. तंग → परेशान।
7. भरोसा → विश्वास।
8. दुर्भाग्य → बुरा भाग्य।

Scanned with CamScanner